University in News on 04 May 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 3

प्रवेश आवेदनों की तिथि बढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कोरोना महामारी के कारण पीएचडी पाठ्यक्रमों में सत्र 2020-21 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 3 मई से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है। इसी प्रकार स्नातक पाठ्यक्रमों व बीएलएड पाठ्यक्रम, परास्नातक, स्नातक प्रोफेशनल एवं परास्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रमों, बीपीएड, एमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को भी बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। ऑनलाइन आवेदन के लिए www.lkouniv.ac.in पर लॉगिन करके एडमिशन पेज पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। वहीं केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत सोमवार से डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिया गया है। वेबसाइट lkouniv.ac.in.admission पेज पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लाल बारादरी का एक हिस्सा ढहा

लखनऊ। लविवि पुराना परिसर स्थित 18वीं शताब्दी में नवाबों द्वारा बनवाई गई ऐतिहासिक लाल बरादरी इमारत का एक हिस्सा रविवार को ढह गया। विवि प्रशासन बजट के अभाव और तमाम पत्राचार के बाद भी इस ऐतिहासिक इमारत को नहीं बचा पा रहा है। वहीं विवि बंद होने से कोई हादसा होने से भी बच गया। इस मामले में लविवि प्रशासन ने कहा कि हाल में विवि ने अपने 100 वर्ष पूरे किए हैं। परिसर में कई ऐतिहासिक महत्व की इमारतें हैं। इसी क्रम में विवि प्रशासन ने लाल बारादरी के संरक्षण के लिए प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के हेड प्रो. पियूष भार्गव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। कमेटी ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, यूपी स्टेट आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट को लाल बारादरी के संरक्षण के लिए पत्र भी भेजा था। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 7

पीएचडी के लिए 15 मई तक करें आवेदन

एलयू

लखनऊ | निज संवाददाता

एलयू ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए स्नातक, परास्नातक और पीएचडी (रेगुलर एवं पार्ट टाइम) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। कोरोना संक्रमण के चलते कई अभ्यर्थी अभी तक इन पाठ्यक्रमों में आवेदन नहीं कर पाए हैं, वो आवेदन कर सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि 12वीं की परीक्षाएं भी अभी तक नहीं हुई है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया हैं। अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन के लिए www.lkouniv.ac.in पर लागइन करके एडमीशन पेज पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की संशोधित तिथियां

- पीएचडी पाठ्यक्रमों (सत्र 2020-21) के आवेदन की अंतिम तिथि 3 से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है।
- स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 3 से 31 मई कर दी गई है।
- परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।
- स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों बीबीए एवं बीसीए) एवं परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमो एमबीए एवं एमटीटीएम आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 मई से 31 मई कर दिया है।
- बीपीएड, एम पी एड एवं एम एड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।

एलयू: केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। एलयू की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया शुरू। सोमवार से विश्वविद्यालय की सत्र 2021-22 की डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों में भी दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ हुए है।

आनलाइन आवेदन फार्म का शुल्क

सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्लूएस के लिए 1000 रुपए एवं अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए 500 रुपए है। आवेदन की अन्तिम तिथि 15 जून है। आनलाइन आवेदन करने व विवरण के लिए एलयू की वेबसाइट lkouniv.ac.in के admission page पर जाएं।

THE PIONEER PAGE 3

Portion of Lal Baradari at LU collapses

PNS ■ LUCKNOW

A portion of Lal Baradari, the heritage building at Lucknow University, collapsed following rains and strong winds late Sunday night. While authorities said they have been contacting all government agencies for repair of the monument for a year, heritage lovers said they knew it was in store considering the dilapidated state of the building.

Heritage activist also said that with the current pandemic, there is little hope that some damage control could be done. Lal Baradari stands with its magnificent façade bang in the middle of the university and is a cynosure of all eyes. Built by Nawab Naziruddin Haider, the second king of Awadh in 1830, the monument was a part of Badshah Bagh, which came to be known as Canning College and then Lucknow University.

Incidentally, the building is neither under the Archaeological Survey of India nor State Archaeology Department, which has also delayed its conservation.

Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai said that a very small portion of the building collapsed. "The communication regarding the state of affairs of the monument has already been made to the authorities concerned. This is a heritage building and we cannot touch it. We have raised this concern with both the Centre and state government, but we have yet to receive any response. Communication has been going on for a year and we will again apprise the government of the incident to seek support or directions," he said.

Asked about the citizen's initiative which was started some time back for restoration of Lal Baradari, he said they had received a proposal from an organisation which estimated the cost in crores and it was also forwarded to the Ministry of Culture.

The LU vice-chancellor said it was a very small portion which gave way, but their concern was whether they should touch the building. "The wall is in a dilapidated stage and it was a miniscule portion which caved in," he added.

President of Lucknow University Teachers' Association (LUTA) Vineet Kumar Verma said it was unfortunate that it happened during the centenary year of the university.

"This monument has been in a dilapidated state for around 10 years. It was one of the main buildings of Badshah Bagh and its entrance was through the Machhli Dwar at the back. It is unfortunate that we were unable to protect the monument even though it required a minimum of Rs 20-25 lakh for restoration," he said.

Former professor from History department of LU, PK Ghosh said it was expected and he was not surprised. "I was expecting it because there was a wide breach in the monument. Nobody took care of the monument and presently too, no one will take care of it because the country is facing such a major problem," he said.

He said a huge amount of money was required for conservation of this monument. Giving the details of the history, he said Lal Baradari was a part of the marbled structure Mubarak Mahal, which was constructed close to it and it is the only remanant of the building. "We tried our best to conserve it but nobody took any interest. Personally, no one can afford the amount which is required for the restoration," he added.

JAGRAN CITY PAGE I

संक्रमण के चलते पाठ्यक्रमों की बढ़ाई गई अंतिम तिथि

जासं, लखनऊ: कोरोना संक्रमण के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र हितों को देखते हुए विविध पाठ्यक्रमों की आनलाइन आवेदन तिथि बढ़ा दी है।

- पीएचडी रेगुलर व पार्ट टाइम-तीन मई से बढ़ाकर 15 मई
- स्नातक, बीएलएड व परास्नातक-तीन से बढ़ाकर 31 मई
- बीबीए, बीसीए एमबीए व एमटीटीएम-तीन से बढ़ाकर 31 मई
- बीपीएड, एमपीएड व एमएड-15 मई से बढ़ाकर 31 मई

एडवांस डिप्लोमा कोर्स के लिए 15 जून तक करे आवेदन: लविवि में सत्र 2021-22 के एडवांस डिप्लोमा कोर्स के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है। आवदेन फार्म सामान्य व पिछड़ा वर्ग के लिए एक हजार और अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है। लविवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in के admission page पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

लाल बारादरी के संरक्षण के लिए बनी कमेटी: लविवि परिसर में स्थापित लाल बारादरी जर्जर हो चुकी है। 100 साल से अधिक पुरानी इस बारादरी के संरक्षण के लिए कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से संपर्क कर संरक्षण का प्रयास करेगी। । प्राचीन भारतीय इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो.पीयूष भार्गव को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है।

PIONEER PAGE 3 & 4

लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए अब 31 तक हो सकेंगे आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण से खतरे को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक और पीएचडी रेगुलर एवं पार्ट टाइम पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। दाखिले के लिए अभ्यर्थी अब 31 मई तक आवेदन कर सकेंगे।

विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक 12वीं की परीक्षाएं भी अभी तक नहीं हुई हैए जिसके चलते यह फैसला लिया गया हैं। प्रवक्ता के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों बीबीए एवं बीसीएद्ध एवं परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमो एमबीए एवं एमटीटीएम आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 मई से 31 मई कर दी गई है। पीएचडी ; रेगुलर एवं पार्ट टाइमद्ध पाठ्यक्रमों (सत्र 2020-21) के आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है। बीपीएड एएमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।

15 मई तक एसएमयू मे कक्षाएं बन्द: डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय 15 मई तक बंद रहेगा। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। यह जानकारी कुलचिव अमित कुमार सिंह ने दी है।

लविवि स्थित ऐतिहासिक लाल बारादरी का एक हिस्सा गिरा

- अवध के दूसरे नवाब नसीरुद्दीन हैदर ने 1830 के आसपास करवाया था निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बारादरी का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। हालांकि इमारत की स्थिति को देखते हुए विवि की तरफ से पूर्व में ही इसकी बैरिकेडिंग कर दी गई थी, जिसके चलते कोई हानि नहीं हुई। इस इमारत को वर्ष 1830 के आसपास नसीरूद्दीन हैदर ने बनवाया था। विवि की स्थापना से पूर्व इसे बादशाह बाग के नाम से जाना जाता था।

हालांकि विवि की तरफसे इसके मर मत को लेकर कई बार आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को पत्र लिखा गया था लेकिन मर मत नही हो पाई। इसके अलावा विवि की तरफसे भी इसका मर मत नही कराया गया। इस बारे में विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक भवन की स्थिति को देखते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अगुवाई में प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो पियूष भार्गव, निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो निशी पांडेय के साथ एक कमेटी का गठन किया गया था। प्रो पीयूष भार्गव ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश स्टेट आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट को लाल बारादरी के संरक्षण हेतु सहायता का पत्र प्रेषित किया था। प्रो भार्गव ने बताया की बारादरी के अनुरक्षण संरक्षण संबंधी प्रयास सन 2010 से ही किये जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश कहीं से भी कोई सहायता अभी तक प्राप्त नही हो पाई है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि में बनी सौ वर्ष पुरानी इमारत गिरी

अमृत विचार लखनऊ

लविवि में गुरी सौ साल पुरानी इमरात का मलब। फोटो :

लखनऊ विश्वविद्यालय में बनी लाल बारादरी नाम से बनी 100 वर्ष पुरानी इमरात सोमवार को अपने आम जमीदोज हो गयी। कभी इस इमारत में विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कैंटीन भी चलती थी। इमारत के गिरने के सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने मौका मुवायना किया।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में आज ऐसे कई भवन हैं जो इस संस्थान के इतिहास को अपने अंदर समेटे हैं। उनमें से एक इमारत है विश्वविद्यालय के बीचो बीच खड़ी लाल बारादरी। लाल बारादरी पिछले कई वर्षों से अपनी जर्जर अवस्था के कारण खाली रखा गया है और चारो तरफ तार से घेर दिया गया है जिससे किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

पुरातत्व विभाग को लिखी गयी चिट्ठी

इसी लाल बारादरी की एक दीवार जो पहले से ही बहुत क्षतिग्रस्त थी गिर पड़ी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विनोद सिंह ने सोमवार को महानिदेशक,भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली को फिर से लाल बारादरी के अनुरक्षण हेतु सहायता प्रदान करने के लिए एक पत्र भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इमारत के गिरने से किसी को चोट नहीं आयी है।

इमारत के सरंक्षण के लिए गठित हुई थी कमेटी

सन 2020 में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पीयूष भार्गव, निर्माण विभाग के कार्य अधीक्षक डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो निशी पांडेय के साथ एक कमेटी का गठन किया था जो लाल बारादरी के अनुरक्षण और संरक्षण के विषय में आगे कार्य करेगा और विभिन्न संस्थाओं से इसे संरक्षित कराने का प्रयास करेगा। अब इस कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर पीयूष भार्गव ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, स्टेट आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट को लाल बारादरी के संरक्षण के लिए सहायता का पत्र प्रेषित किया था। प्रो भार्गव ने बताया की सन 2020 में केंद्र सरकार के संस्कृति विभाग एवं राज्य सरकार के संस्कृति विभाग में भी लाल बारादरी के अनुरक्षण हेतु आवेदन पत्र प्रेषित किए गए थे, ताकि लखनऊ शहर एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास के साक्षी लाल बारादरी इमारत को बचाया जा सके। प्रो भार्गव ने बताया कि बारादरी के अनुरक्षण/संरक्षण संबंधी प्रयास सन 2010 से ही किये जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश कहीं से भी कोई सहायता अभी तक प्राप्त नहीं हो पाई है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

पीएचडी समेत कई पाठ्यक्रमों में आवेदन की तिथि बढ़ी

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी समेत कई स्नातक और परास्नातक के कई पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी गयी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदन की बदली हुई तिथियों का पूरा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। कुलपति के मुताबिक पीएचडी (रेगुलर एवं पार्ट टाइम) पाठ्यक्रमों (सत्र 2020- 21) के आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 15 मई कर दिया है। वहीं स्नातक पाठ्यक्रमों (यूजी) व बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। वहीं परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई किया गया है। इसके साथ ही स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों (बीबीए व बीसीए) व परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमों (एमबीए व एमटीटीएम) आवेदन की अंतिम अब 31 मई कर दी गयी है। वहीं बीपी एड (बीपीएड), एम पी एड (एमपीएड) व एमएड (एमएड) पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन के लिए www.lkouniv.ac.in पर लाग इन करके एडमीशन पेज पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

यूजी व पीजी कोर्सों प्रवेश के लिए आवेदन तिथि 31 तक बढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए स्नातक, परास्नातक और पीएचडी (रेगुलर एवं पार्ट टाइम) पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। कोरोना संक्रमण के चलते कई अभ्यर्थी अभी तक इन पाठ्यक्रमों में आवेदन नहीं कर पाए हैं, वो आवेदन कर सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि 12वीं की परीक्षाएं भी अभी तक नहीं हुई है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया हैं। अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन के लिए 222.lkouniv.ac.in पर लागइन करके एडमीशन पेज पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की संशोधित तिथियां

स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों बीबीए एवं बीसीए) एवं परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमो एमबीए एवं एमटीटीएम आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 मई से 31 मई कर दिया है। पीएचडी (रेगुलर एवं पार्ट टाइम) पाठ्यक्रमों (सत्र 2020-21) के आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 15 मई कर दी गई है। बीपीएड ,एमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 15 मई से बढ़ाकर 31 मई कर दिया है।

TOI PAGE 2

LU admissions: Dates extended till May 31

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Considering the pandemic situation, Lucknow University on Monday extended the last date of application for its undergraduate, postgraduate and doctoral courses.

LU has extended the last date of application for PhD (regular and part-time) courses from May 3 to May 15 while that for bachelor in elementary education, bachelor in business administration, bachelor in computer application, and PG courses has been extended till May 31. The last date for bachelor in physical education, master in physical education, and master in education has also been extended till May 31.

Online process for dilploma courses

LU began the admission process for over 30 diploma, PG diploma, advanced diploma, certificate and proficiency courses on Monday. The application forms are available on LU website. Candidates can fill the form by submitting a fee of Rs 1,000 for the general category and Rs 500 for the reserved category. The last date for application is June 15.

i-NEXT PAGE 5

एडमिशन के लिए आवेदन डेट बढ़ाई

LUCKNOW (3 April): कोरोना संक्रमण के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र हितों को देखते हुए विविध पाठ्यक्रमों की आनलाइन आवेदन तिथि बढ़ा दी है.

डिप्लोमा कोर्स के लिए 15 जून तक करें आवेदन

लविवि में सत्र 2021-22 के एडवांस डिप्लोमा कोर्स के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है. आवदेन फार्म सामान्य व पिछड़ा वर्ग के लिए एक हजार और अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है. लविवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है.

- पीएचडी रेगुलर व पार्ट टाइम-तीन मई से बढ़ाकर 15 मई
- स्नातक, बीएलएड व परास्नातक-तीन से बढ़ाकर 31 मई
- बीबीए, बीसीए-तीन मई से बढ़ाकर 31 मई
- बीपीएड, एमपीएड व एमएड-15 मई से बढ़ाकर 31 मई